RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना

समाचार



श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 3 अंक 3 | मूल्य - रू.1/- | मार्च 2018 | पृष्ठ - 8



रंगो मे छिपा है जीवन का अर्थ
और जीवन के रंगो से परिचित होने का पर्व है 'होली'

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2

मंथन: 'होली'.....3

सुजलाम् सुफलाम् - बुलढाना 4

स्मार्ट गर्ल कार्यशालाए.....5

बीजेएस गतिविधियाँ एवं समाचार 6

अल्पसंख्यक सूचनाएँ,
गतिविधियाँ एवं समाचार 7



प्रिय आत्मजन,

गत माह देश और दुनिया अनेक सुखद व दु:खद घटनाओं से भरी रही. युवा वर्ग की धड़कनों को बढ़ाता 'वेलेंटाईन डे' 14 फरवरी को मनाया गया जिस पर अनुकूल व प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की भरमार सोश्यल मीडिया पर रही. देश में पारंपरिक त्यौहारों का घटता महत्व व पाश्चात्य से आयातित उत्सवों का बढ़ता प्रभाव निश्चित ही चिंता का विषय है. गत कुछ दशकों से समाज मे आ रहे अकल्पनीय परिवर्तनों के कारण पर्वों को उत्सवित करने में सामान्यतौर पर भारतीय जनमानस में घर कर रही शिथिलता, हमारी जीवनशैली को नीरस बनाती जा रही है.

हम सभी भारतीयों के जीवन में अत्यंत ही महत्वपूर्ण स्थान रखता होली व धुलेंडी का त्यौहार 1 व 2 मार्च को उत्सवित हुआ. पौराणिक, धार्मिक एवं सामाजिक महत्व का यह पर्व रंगों से रंग देने के साथ मानव जीवन को आशाओं, उमंगों आदि के रंगों से नव-पल्लवित करता है. जाति, धर्म, वर्ग आदि की सीमाओं से परे, जन-जन का यह पर्व राग-द्वेष तथा अहंकार को मिटाकर मैत्री, शांति और मानवता का संदेश देता है. इस आधुनिक और तकनीकी युग में भौतिक विचारधाराओं के दुष्प्रभाव में जहां आत्मीयता एवं संवेदनाएँ घटती जा रही है, इस अंक के माध्यम से होली व धुलेंडी के साथ अन्य सभी त्यौहारों के प्रति उदासीनता छोड़कर इन्हें हृदय की गहराईयों से मनाने का संदेश देने का सारगर्भित प्रयत्न है.

8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सम्पूर्ण विश्व में प्रतिवर्ष मनाया जाता है. स्वयं महिलाओं में व विशेषकर समाज की उनके प्रति समानता व स्वतन्त्रता की वैचारिकी में अब आ रहे परिवर्तनों का लगभग पूरा विश्व साक्षी बन रहा है. वर्तमान युवा पीढ़ी की सामान्य रूप से यह धारणा है कि महिलाओं ने समानाधिकार का युद्ध जीत लिया है, किन्तु 1970 दशक के नारी अधिकारवादी इस वास्तविकता से भली भांति परिचित हैं कि लम्बी अवधि से पुरुष एकाधिकार की वैचारिक जटिलताएँ समाज में गहराई से पेठी हुई हैं, जिनसे मुक्ति इतनी सरल नहीं है. महिलाओं को आज भी वेतन, व्यवसाय, राजनीति व शिक्षा आदि के क्षेत्र में पुरुषों की अपेक्षाकृत अवसरों की समान सुलभता नहीं है व हिंसा तथा अन्याय का शिकार बनती रहती हैं. अपने ही देश में संविधान ने समानता के अधिकार दिये हैं किन्तु सामाजिक स्थितियाँ आज भी असमानताओं से भरी हुई हैं. सिक्के का दूसरा पहलू यह भी है कि महिलाओं की क्रमशः बढ़ती सहभागिता, समानता के वैधानिक अधिकारों के साथ प्रत्येक क्षेत्र में वे अब अनुकरणीयता का उदाहरण बन रही हैं. यह भी हर्ष का विषय है कि भारत सहित विश्व के अनेक देशों में और यहां तक कि अनेक मुस्लिम देशों में महिला समानता की विचारधारा को उग्रता मिल रही है. वह दिन अब दूर नहीं जब महिलाएं जीवन की प्रत्येक विधाओं में आत्मविश्वास के साथ विश्व को नया स्वरूप प्रदान करेंगी. वर्ष का एक दिन महिला दिवस मनाना उन्हें सम्मान व समानाधिकार देने की जागृति करने का माध्यम है किन्तु यह एक दिवस का विषय नहीं है. मेरा मानना है कि महिलाओं हेतु हमारी सार्वभौमिक विचारधारा के साथ उन्हें समानता प्रदान करने के पर्याप्त अवसर देने में क्षेत्रीय स्तर पर व्यापक रूप से कार्यरत होना होगा. भारतीय जैन संघटना गत अनेक वर्षों से अपनी विशिष्ट कार्यशैली व कार्यक्रमों से महिलाओं के सामाजिक सक्षमीकरण, शिक्षा आदि हेतु कार्यरत है.

मित्रों! इस वर्ष शिशिर ऋतु की समाप्ति से पूर्व ही ग्रीष्म का प्रकोप और शनैः - शनैः प्रतिदिन बढ़ता तापमान, लगता है कि सूर्य देवता 10 घोड़ों के रथ पर सवार होकर पृथ्वी पर शीघ्र पहुँचने को लालायित हैं. ग्रीष्म के आगमन के साथ ही जलाशयों, नदियों का जल सूख जाना प्रकृति प्रदत्त ही है किन्तु देश के कुछ राज्य विशेषकर महाराष्ट्र गत अनेक वर्षों से सूखे की चपेट में है. प्रकृति भले ही रूठी हो, किन्तु मानव प्रयासों से इस स्थिति से निपटा जा सकता है, बीजेएस का यह मात्र संदेश नहीं है अपितु वह गत कुछ वर्षों में सूखे की भीषण स्थिति का सामना कर रहे महाराष्ट्र के कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में समस्या मुक्ति व ग्रामजन की खुशहली हेतु 'सूखा मुक्ति अभियान' जैसी योजनाओं से विशेष परिश्रम करता रहा है. यह सूचित करते हुए हर्ष की अनुभूति है कि आदरणीय श्री शांतीलालजी मुथ्था के नेतृत्व में 3 मार्च, 2018 बुलढाना जिले के लगभग 1200 गांवों में सूखा मुक्ति हेतु 'सुजलाम सुफलाम' योजना का श्रीगणेश केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी व मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडनवीस के करकमलों से हुआ, जिसका विवरण इस अंक में अलग से प्रकाशित किया जा रहा है.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुंवा जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई सुरेश कोठारी, अहमदाबाद सुदर्शन जैन, बड़नेरा, वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, संजय सिंघी, रायपुर, राजेंद्र लुंकड़, इरोड़

मंथन

रंगो मे छिपा है जीवन का अर्थ और जीवन के रंगो से परिचित होने का पर्व है 'होली'

रंग का सत्संग यानि होली. उमंगों का रंग यानि होली. रंगों के इंद्रधनुष को पा लेने की अनुभूति यानि होली. प्रत्येक रंग में से सत्य और सत्य में से रंग खोजना यानि होली. उमंग, उत्साह, संवेदना, आत्मीयता, मैत्रीभाव, बंधुत्व के रंगों से रंगकर अपनों और जाने-अनजानों के जीवन को रंगमयी बना देने का पर्व है 'होली'.

प्रत्येक रंग में एक चित्र छिपा होता है जो चित्रकार के अद्भुत सृजन से केनवास पर उभरता है. उसी तरह हमारे जीवन के विविध रंगो में जीवन की सार्थकता छिपी रहती है जो होली जैसे पर्वों पर अधिक मुखरित होती है. रंगो को समूह में देखना मनभावन है जो नव-सृजन का प्रतीक है. रंग मानव के दैनिक जीवन का हिस्सा है. गुलाबी प्रेम का, लाल क्रोध व सौभाग्य का, स्लेटी उदासी का, गेरुआ वैराग्य का, हरा समृद्धि का और श्वेत ज्ञान तथा शांति का सूचक है. रंगों की भाषा मूक होती है जिसे समझकर ही जीवन को रंगमय बनाया जा सकता है.

प्रागैतिहासिक काल से ही प्रारम्भिक ग्रंथों में व समय-समय पर रचित विविध ग्रन्थों मे बुराईयों पर अच्छाईयों की विजय का मार्मिक संदेश देते हुए हमारे विविध पर्व दर्शाये गए हैं. होली भी ऐसा ही त्यौहार है जिसकी मूल लाक्षणिकताओं में बुराईयों पर अच्छाईयों की जीत ही विषयवस्तु है. होली हमारी निचली कक्षा की इच्छाओं पर उच्च चक्रों की जीत का प्रतीक है, जहां होलिका दहन में हमें हमारे आत्म विकास के लक्ष्यों की वेदी पर हमारी भौतिक इच्छाओं को जलाकर समाप्त करना है.

प्रकृति में जब सौलह कलाएं खिल उठती है ऐसी शिशिर ऋतु में फसल की कटाई के साथ आगामी वर्ष की सुखद कल्पनाओं में अपार हर्ष की अनुभूतियों के साथ श्रृंगारित उन्माद के वातावरण में फागुन मास की पूनम पर होली और एकादशी पर धुलेंडी का यह दो दिवसीय त्यौहार प्रतिवर्ष मनाया जाता है. इस त्यौहार में ऐसी प्रतीती होती है कि रंग-बिरंगा इंद्रधनुष गलियों में उतर आया है.

मानव जीवन का अर्थ क्या है? यह किसी भी ग्रंथ में कुछ शब्दों में परिभाषित नहीं है. प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का अर्थ भिन्न होता है जिसे उसे स्वयं खोजना है. होली के रंग हमें संदेश देते हैं कि हम उस चित्र का सृजन करें जिसमें हमारे जीवन की सार्थकता को परिवार व समाज के लिए खोज सकें और राग- द्वेष से ऊपर उठकर प्रेम और सौहार्द लोगों में बाँट सकें. रंगों का संदेश हमें हमारी तार्किक बुद्धि दूर रखते हुए स्वप्नों के उस विश्व के निर्माण हेतु प्रेरित करता है जो इंद्रधनुषी आकाश से भी सुंदर हो.

मानव जीवन अनिश्चितताओं से भरा पड़ा है और रंग मानव में आशाएँ जागृत कर निश्चितता की ओर ले जाने का माध्यम हैं. इसीलिए होली पर्व मानव को प्रेमभाव, मैत्री, बंधुत्व जागृत करने के साथ सेवा, न्यौछावर और समर्पण का पाठ पढ़ाता है. आज विश्व जिस मुकाम पर है, शांतिमय समाज के अस्तित्व पर अनेक प्रश्न लग चुके हैं. बढ़ती घृणा, नफरत, आतंक, स्पर्धा और वैयक्तिक जीवनशैली के चलते अनेक चुनौतियाँ आज मानव के समक्ष है, जिसका हल कुछ पा लेने के स्थान पर न्यौछावर करने की भावना जागृत कर लाया जा सकता है. इस सन्दर्भ में होली जैसे पर्वों की अहम् भूमिका है किन्तु भारतीय संस्कृति एवं परम्पराओं में पर्वों के महत्व को यह आधुनिकता से ग्रसित समाज शनैः - शनैः नकार रहा है, जिससे मानव जीवन में शिथिलता तो घर कर ही रही है साथ ही समाज की भावना दुर्बल हो रही है. किन्तु यह स्मरणीय रहे है कि त्यौहार का दिन मानव का श्रेष्ठ मनुष्य बनने हेतु संकल्प का दिन होता है जो प्रसन्नचित्त रहने व अंतःकरण को सुगंधमयी बनाने का परमात्मा का वरदान है. पर्व अंधश्रद्धा व स्व-लाभ के लिए नहीं अपितु मानवता के प्रति कर्तव्यों के निर्वहन तथा सबको प्रफुल्लित रखने के सशक्त साधन हैं. भारत देश का आध्यात्म मोक्षमार्गी भले हो किन्तु संस्कृति प्रेममार्गी है और होली का पर्व इसे प्रमाणित करता रहा है. शेर द्वारा किये हिरन के शिकार में हिंसा तो है किन्तु द्वेष नही. द्वेष तो मानव की प्रकृति या शौक है और होली जैसे पर्व ही द्वेष की मात्रा को नियंत्रित कर समाज में संतुलन के सेतु का निर्माण करते हैं.

भारतीय जैन संघटना गत 3 दशकों से भी अधिक समय से समाज की भावना जागृत करने के भागीरथ प्रयासों से देशवासियों के जीवन को रंगमयी बनाने का प्रयास करता आया है. सुखी परिवार की संकल्पना के साथ परिवार के सभी छोटे-बड़े सदस्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति एवं चुनौतियों के निराकरणों के रंग बिखेरता ही रहा है. अकाल व सूखे की स्थिति से जूझ रहा महाराष्ट्र और गत 5 से अधिक वर्षों से मराठवाड़ा सहित संपूर्ण महाराष्ट्र में सूखा मुक्ति अभियान चलाकर किसानों की सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को बेहतर कर उनके जीवन में रंग भरने का प्रयास कर रहा है. आत्महत्याग्रस्त किसानों के बच्चों के शैक्षणिक उत्तरयित्वों को वहन कर उनके जीवन में सार्थकता के रंग भर देने, देश की बिटियों को सामाजिक चुनौतियों का सामना करने हेतु सक्षमीकरण के रंगों से उन्हें नव-आकारित करने हेतु संकल्पित है. होली के पावन पर्व पर भारतीय जैन संघटना आप सभी के साथ सहकार की अपेक्षा रखते हुए आशान्वित है कि प्रेम और कर्तव्यों के रंग एक नवीन समाज व राष्ट्र निर्माण में बिखेरता ही रहेगा.





महाराष्ट्र को अकाल मुक्त करने 'बुलढाना पैटर्न' पर होगा अमल

"बुलढाना क्षेत्र को अकालमुक्त करने की दृष्टि से बुलढाना जिलें में शुरू किये जा रहे 'सुजलाम-सुफलाम बुलढाना पैटर्न' को जल्द ही समूचे महाराष्ट्र राज्य में लागू किया जायेगा और राज्य को अकालमुक्त करने की दिशा में प्रयास किये जायेगें"- मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फड़नवीस

इस आशय का प्रतिपादन 3 मार्च, 2018 को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फड़नवीस ने बुलढाना में भारतीय जैन संघटना व्दारा शुरू किये जा रहे सुजलाम-सुफलाम बुलढाना अभियान के उद् घाटन समारोह में किया. मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए मा.मुख्यमंत्री फड़नवीस ने कहा कि भारतीय जैन संघटना के माध्यम से श्री शांतीलालजी मुथ्था, किसानों को समृद्ध बनाने के लिए महान कार्य कर रहे है. आपने कहा कि श्री शांतीलालजी मुथ्था के कार्यों का सही अर्थों में समाजसेवा के दर्शन होते हैं. संघटना व्दारा बनाई गई योजना के चलते आने वाले समय में बुलढाना जिला पूरी तरह अकालमुक्त हो जायेगा. इस बात में कोई संदेह नही कि इस अभियान से प्रेरणा लेकर राज्यभर में इस तरह के कार्यों का बुलढाना पैटर्न लागू किया जाना चाहिए. इनमें किसान आत्महत्याग्रस्त जिलों को मुख्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए. इसके लिए सरकार, जैन संघटना को हर संभव सहयोग करने को तैयार है.

समारोह में केन्द्रीय मंत्री श्री नितिनजी गडकरी ने कहा कि इस सूखा मुक्त अभियान के कार्यों के पीछे भी श्री शांतीलाल मुथ्था की प्रेरणा महत्वपूर्ण है. सामाजिक संवेदनशीलता के कारण इस प्रकार के कार्य हो रहे है. इन कार्यों से बुलढाना जिले में सिंचाई की सुविधाएँ बड़े प्रमाण में उपलब्ध होगी. फलस्वरूप जिले की सामाजिक वआर्थिक प्रगति होगी. समारोह में संस्थापक एवं अभियान के प्रेरणा स्त्रोत श्री शांतीलालजी मुथ्था ने प्रस्ताविक संबोधन दिया. आयोजन के प्रारम्भ में 134 जेसीबी/पोकलेन मशीनों का प्रतीकात्मक पूजन किया गया और दीप प्रज्ज्वलन के 'सुजलाम-सुफलाम बुलढाना' अभियान का उद् घाटन किया गया.

'सुजलाम-सुफलाम' महाभियान विशेषताओं के झरोखे से

- 120 जेसीबी /14 पोकलेन – बीजेएस ने क्रय की गई .
- जेसीबी 200 घंटे या पोकलेन 100 घंटे के लिए एक गांव को नि:शुल्क उपलब्ध कराई जायेगी.
- 2191 तालाबों/छोटे बांधों व नालों का चौड़ा व गहरा करने का कार्य होगा.
- इसमें 115 एम आई टैंक, 138 पाझर-तालाव, 7 गांव तालाव-नाला, 150 खेत तालाव शामिल है.
- 1781 स्त्रोतों से 3 करोड़ 81 लाख 84 हजार 503 क्यूबिक मीटर कीचड़ निकाला जायेगा.
- इस कीचड़ को 50 हजार बंजर भूमि में फैलाकर उसे उपजाऊ बनाया जायेगा.
- 1 टीएमसी यानी 28 अरब लीटर जलसंग्रहण क्षमता वृद्धि होगी.
- बुलढाना जिले के नलगंगा, खड़कपूर्णा, पेनटाकली, ज्ञानगंगा, पलढग, मन, तोरणा, उतावली, मस, कोराड़ी व अन्य सभी छोटे-बड़े जल-प्रकल्पों का कीचड़ निकला जायेगा.
- अभियान के सफल संचालन हेतु 360 विभिन्न पदों पर नियुक्तियाँ की गई है.
- अभियान पर रु.26 करोड़ की राशि खर्च होगी.
- 'सुजलाम-सुफलाम' – अकाल मुक्त 'बुलढाना' महाभियान बीजेएस एवं जिला प्रशासन का संयुक्त प्रयास है.
- यह एक पायलट प्रोजेक्ट है भविष्यमें 'सुजलाम-सुफलाम' महाभियान के अंतर्गत यह मशीने महाराष्ट्र राज्य के सम्पूर्ण अकाल मुक्ति हेतु कार्य करेगी.
- बुलढाना में भारतीय जैन संघटना का 'बुलढाना महाभियान' कार्यालय प्रारम्भ हुआ जिसका उद् घाटन मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्रजी फड़नवीस एवं केन्द्रीय मंत्री श्री नितिनजी गडकरी के करकमलों से हुआ.



वाटर कप कॉम्पेटीशन में सहभागी गांवोंको बीजेएस द्वारा मशीनों की मदत

महाराष्ट्र अकाल मुक्ति अभियान में वाटर कप स्पर्धा अंतर्गत विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी पानी फाउन्डेशन द्वारा वाटर कप कॉम्पेटीशन 2018 आयोजित किया गया है. पानी फाउन्डेशन द्वारा इस वर्ष वाटर कप स्पर्धा की घोषणा मुंबई में दिनांक १२ जनवरी को की गई जिसमें मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फड़नवीस, श्री आमिरखान, श्री मुकेश अंबानी, श्री रतन टाटा, श्री शांतीलाल मुथ्था आदि अनेक गणमान्य उपस्थित रहे. यह स्पर्धा 8 अप्रैल से 22 मई, 2018 तक अवधि तक चलेगी. इस प्रतियोगिता में 75 तहसीलों के लगभग 2500 गांव हिस्सा लेंगे. बीजेएस द्वारा कठिन कार्य हेतु गांवों में जेसीबी/पोकलेन मशीन भी गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी उपलब्ध करवाई जावेगी.

स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम - सिद्धियों के नव शिखर पर

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम के किये गए 43 मास्टर ट्रेनर्स तैयार

1000 ट्रेनर्स को प्रशिक्षित कर 1 लाख छात्राओं को करेगें सक्षम

भारतीय जैन संघटना के महत्वपूर्ण कार्यक्रम 'स्मार्ट गर्ल' को देशभर में समाज की बेटियों को सक्षम करने के उपरान्त इसे शिक्षण विभाग के सहयोग से व्यापक स्तर पर छात्राओं को सक्षम बनाने का बीड़ा उठाया गया. महाराष्ट्र के अहमदनगर एवं पुणे की जिला परिषद् की शालाओं में स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम लागू कर 2 लाख 70 हजार छात्राओं को सक्षम बनाने का कार्य सफलता से पूर्ण किया गया. अब मध्यप्रदेश में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के 280 महाविद्यालयों में लागू करने का महत्वपूर्ण निर्णय कुलपति डॉ.नरेन्द्र धाकड़ ने लिया.

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में 28 दिसम्बर,2017 को 280 प्रधानाचार्यों/प्राध्यापकों को स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम का ओरिएंटेशन दिया. दि. 16 जनवरी,2018 को 93 प्राध्यापकों को स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम का मास्टर ट्रेनर्स बनाने हेतु ट्रेनिंग दी गई जिन्होंनें 1 माह की अवधि में 71 कार्यशालाएं विश्वविद्यालय की विभिन्न कालेजों में आयोजित कर 2568 छात्राओं को सक्षम बनाया. 26-27 फरवरी, 2018 को इंदौर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में पूर्व में बनाए गए 93 ट्रेनर्स में से 43 मास्टर ट्रेनर्स बनाये गये हैं जो 7-8 मार्च एवं 15-16 मार्च को 280 कालेजों के 1000 प्राध्यापकों को स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम का ट्रेनर्स बनाने हेतु ट्रेनिंग देगें, जिनके द्वारा 1 लाख छात्राओं को स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम के तहत् सक्षम बनाने का लक्ष्य कुछ महिनों में हासिल किया जाएगा.





पुणे जिले की 1.92 लाख से अधिक बेटियाँ को बनाया गया सक्षम

भारतीय जैन संघटना के 'स्मार्ट गर्ल' अभियान के अंतर्गत जिला परिषद् , पुणे के माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विभाग की शालाओं की 1 लाख 92 हजार से अधिक छात्राओं को सक्षम बनाया गया है. ज्ञात हो कि सितम्बर 2017 माह में जिला परिषद शालाओं के 153 अध्यापकों को बीजेएस के वाघोली-पुणे स्थित संस्थान में मास्टर ट्रेनर्स बनाया गया था, जिन्होंने 2650 अध्यापकों को क्रमशः प्रशिक्षण देकर ट्रेनर्स बनाया. इस अभियान के अंतर्गत 2 लाख छात्राओं को मार्च, 2018 तक सक्षम बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था. 28 फरवरी, 2018 तक स्मार्ट गर्ल अभियान में पुणे जिले की 1364 शालाओं में कुल 3416 कार्यशालाओं के आयोजन से 1 लाख 92 हजार से अधिक छात्राओं को सक्षम बनाया गया है.

उल्लेखनीय है कि विगत वर्ष स्मार्ट गर्ल अभियान के अंतर्गत अहमदनगर में भी जिला परिषद् की शालाओं में भारतीय जैन संघटना 70 हजार से अधिक छात्राओं एवं रैयत शिक्षण संस्था, सतारा की 2720 छात्राओं को सक्षम बनाया गया था.

स्मार्ट गर्ल अभियान के अंतर्गत कार्यशालाओं मे प्रदान किए जा रहे प्रशिक्षण से छात्राओं मे जागृत हो रही सकारात्मक सोच स्वस्थ एवं सुखी जीवन जीने के लिए प्रेरणा स्वरूप बन रही है. दो दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के 'स्व-जागरूकता सत्र' में उन्हें जो आत्मविश्वास मिलता है, उसके बारे में कार्यशाला में एक छात्रा ने कहा, "मेरे मन की ऐसी बात, मैंने आज बताई है, जो मैंने अब तक किसी को नहीं बताई थी. इसकी वजह से मेरे मन का बहुत बड़ा बोझ हल्का हो गया है." संवाद व रिश्ते सत्र से "मुझे ये मालूम हुआ कि किसी बात पर झगड़ा हो जाये फिर भी रिश्ते टूटने नहीं चाहिए". एक छात्रा ने बतलाया कि 'आत्म सम्मान व आत्मरक्षा' सत्र से मुझे ये बात पता चली कि "दूसरों से अपेक्षित सुरक्षा से ज्यादा स्वयं की रक्षा करना अधिक महत्त्वपूर्ण है.' ऐसे हृदयस्पर्शी अनुभव कई बेटियों ने साझा किये. कार्यशालाएं ले रहे शिक्षक/शिक्षिकाओं ने बतलाया कि स्मार्ट गर्ल प्रशिक्षिक की भूमिका निभाते हुए उनमें बहुत बड़ा बदलाव एवं जिम्मेदारी का भाव आया है. 'माता–पिता के साथ संवाद' सत्र में पालकों ने भावस्पर्शी अनुभव दर्शाये.

21 वीं शताब्दि की सामाजिक चुनौतियों का सामना दृढ़ता से करने हेतु देश की बेटियों को सक्षम बनाने का यह अभियान समाज व राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को नव-स्वरुप प्रदान करेगा. भारतीय जैन संघटना का प्रयास रहेगा कि आने वाले कुछ वर्षों में सभी राज्यों में इसे प्रभावी बनाया जाए. राज्यों के शिक्षण विभागों व विश्वविद्यालयों के माध्यम से इस अभियान को चलाया जाएगा. बदलते समय के अनुसन्धान में 'स्मार्ट गर्ल' सक्षमीकरण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में शोध अनुसन्धान आधारित अध्ययन से परिवर्तन समय से किये जायेंगे जो इस अभियान से प्रभावी व लाभदायी परिणाम प्राप्त करने हेतु आवश्यक होगा.





जैन समाज की जनसँख्या तथा सामाजिक स्थितियां – एक चिंतनीय विषय

'इंटरनेशनल स्कूल फॉर जैन स्टडीज़' नई दिल्ली द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर जैन समाज की वर्तमान सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक तथा धार्मिक स्थितियों पर अध्ययन एवं सर्वेक्षण एक अभियान के रूप में सम्पादित करने का निर्णय कर इसका श्रीगणेश DELHI NCR के दक्षिण में स्थित होज़खास तहसील से किया गया.

सामजिक एवं जनसांख्यिक मुद्दों जैसे जैन समुदाय की जनसँख्या, जनसंख्या विकास की दर आदि के विश्लेषणों के साथ सामाजिक-सांस्कृतिक, शैक्षणिक, व्यावसायिक, आर्थिक क्षेत्रों तथा धार्मिक अभिरुचियों व आचरणों पर समाजशास्त्रियों व विशेषज्ञों द्वारा वास्तविक अध्ययन/सर्वेक्षण सम्पादित किया गया. होज़खास तहसील के भारत सरकार 2011 की जनसँख्या के आंकड़े तथा मतदार सूची को आधार बनाते हुए इस सर्वेक्षण में इस क्षेत्र के 70% समाज के महिला पुरुष सदस्यों से व्यक्तिगत तथा सामूहिक साक्षात्कार किया गया. संग्रहित आंकड़ों तथा अध्ययन के आधार पर मूल्यांकित परिणाम 95% तक सही होने का अनुमान है. किन्तु जो परिणाम सामने आये हैं वो आशास्पद न होने उपरांत विभिन्न गंभीर एवं चिंतनीय मुद्दों की तरफ निर्देश करते हैं.

अगला सर्वेक्षण/अध्ययन कर्नाटक राज्य के बेलगावी जिले में प्रारम्भ किया गया है जिसमें भारतीय जैन संघटना की अहम् भूमिका होगी. जैन समुदाय के अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों की स्थितियों को समाज के समक्ष प्रस्तुत करना व भविष्य का जैन समाज कैसा हो, इस पर सहमति बनाने के साथ कार्ययोजनाओं का निर्माण आवश्यक होगा. 2021 में भारत सरकार की जनसँख्या जनगणना में जैन समुदाय की जनसँख्या का सही आंकड़ा आना ही चाहिए, इस पर कार्य योजना इसी वर्ष में बनाकर कार्य करने की आवश्यकता होगी.

सर्वेक्षण से सामने आये अनेक चौकाने वाले आंकड़े

- 2011 की जनसँख्या परिणामों में दर्शाई गयी जैन समाज की जनसँख्या 90% तक अधिक होने का अनुमान है.
- 20 से 40 वर्ष के जैन युवाओं में जैन होने का गर्व नहीं है.
- 0-6 वर्ष आयु समूह का लिंग अनुपात 1000 पर 785 जो आने वाले समय में सामजिक असंतुलन के तूफ़ान का संकेत है.
- 2001-2011 के मध्य जनसँख्या विकास दर 5.4% रही जो सर्वाधिक रूप से निम्न है.
- 0-24 आयु समूह में 12.5% की नकारात्मक विकास दर है.
- प्रजनन दर 1.47 है जो अन्य समुदायों की अपेक्षाकृत सर्वाधिक रूप से निम्न है.

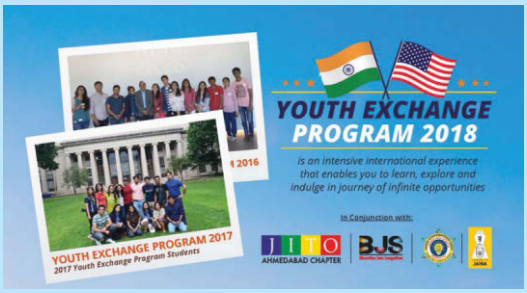

बीजेएस-जीतो-जैना : यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम

इस वर्ष 15 जून से 10 जुलाई के मध्य चतुर्थ BJS-JITO-JAINA(USA) के संयुक्त उपक्रम में युवा सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित है. पिछले तीन कार्यक्रम अत्यंत ही सफल व उद्देश्य को परिपूर्ण करने वाले रहे. 18 से 23 वर्ष आयु के समस्त देश से जैन समुदाय के उच्च शिक्षित युवक-युवतियाँ इसमें भाग लेंगे, जिनका चयन निर्धारित मापदण्डों के आधार पर होगा. अब इस कार्यक्रम को वैश्विक बनाने के निर्णय के साथ अन्य देशो के जैन समुदाय के 6 युवाओं को इसमें सम्मिलित कर कुल 18 युवक- युवतियों अमेरिका प्रवास करेंगे.

चयनित युवक-युवतियों को लगभग 15 दिवसीय इस प्रवास कार्यक्रम में अमेरिका के विभिन्न शहरों न्यूयॉर्क, वाशिंग्टन डीसी, शिकागो तथा सेंफ्रांसिस्को के भ्रमण के साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों, प्रख्यात उत्पादन इकाईयों को देखने व समझने का अवसर मिलेगा. इसके अतिरिक्त वे जैन समाज के अग्रण्य व विद्वानों, शिक्षाशास्त्रियों आदि से विचार-विमर्श कर लाभान्वित हो सकेंगे. इसी अवधि में आयोजित होने वाले YJA Convention में भाग लेने व जैन युवा साथियों से मिलने व उन्हें समझने का अवसर भी मिलेगा. इस कार्यक्रम हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 4 मार्च निर्धारित की गई थी.

'व्यवसाय विकास कार्यक्रम'- बदलोगे तो बढ़ोगे : मार्गदर्शक –श्री राकेश जैन 'प्रखर',इंदौर





1. 4 फरवरी – दुर्ग (छत्तीसगढ़)
2. 5 फरवरी – बालोद (छत्तीसगढ़)
3. 5 फरवरी – जगदलपुर (छत्तीसगढ़)
4. 6 फरवरी – कांकेर (छत्तीसगढ़)
5. 6 फरवरी – राजनंदगांव (छत्तीसगढ़)
6. 19 फरवरी – तोलानी इंस्टिट्यूट,गांधीधाम (गुजरात)
7. 24 फरवरी – ओसवाल मैनजमेंट कालेज,जामनगर
8. 24 फरवरी – एल.जी.हरिया स्कूल,जामनगर (गुजरात)
9. 24 फरवरी – श्री कुंवरबाई जैन धर्मशाला,जामनगर
10. 6 मार्च – भारतीय जैन संघटना कालेज, वाघोली-पुणे


दैनिक भास्कर

ऑनलाइन शॉपिंग का बाजार पर पड़ेगा 30 % तक असर, तीसरी आर्थिक शक्ति बनेगा भारत

ट्रेनर राकेश जैन ने तीन साल में 170 शहरों में 70 हजार कारोबारियों को दिया प्रशिक्षण

नोटबंदी और जीएसटी का सबसे असर बाजार में देखने को मिला







देश के विभिन्न राज्यों में अल्पसंख्यकता के अधिकारों एवं लाभों पर कार्यशालाये

1. 19 जनवरी – अंजनगांव (महाराष्ट्र), मार्गदर्शन – श्री धनराज जैन,जालना
2. 19 जनवरी – परतवाडा (महाराष्ट्र), मार्गदर्शन – श्री धनराज जैन,जालना
3. 20 जनवरी – वरुड (महाराष्ट्र), मार्गदर्शन – श्री धनराज जैन,जालना
4. 22 जनवरी – मथुरा (उत्तरप्रदेश), मार्गदर्शन – श्री मनीष जैन,आगरा
5. 26 जनवरी – दरवाह (महाराष्ट्र), मार्गदर्शन – श्री समीप इन्दाने,अकोला
6. 26 जनवरी – आगरा (उत्तरप्रदेश), मार्गदर्शन – श्री मनीष जैन,आगरा
7. 26 जनवरी – ट्रांसयमुना-आगरा (उत्तरप्रदेश), मार्गदर्शन – श्री निखिल जैन,आगरा
8. 27 जनवरी – नेर (महाराष्ट्र), मार्गदर्शन – श्री समीप इन्दाने,अकोला
9. 28 जनवरी – एटा (उत्तरप्रदेश), मार्गदर्शन – श्री निखिल जैन,आगरा
10. 2 फरवरी – टुंडला-फिरोजाबाद (उत्तरप्रदेश), मार्गदर्शन – श्री मनीष जैन,आगरा
11. 3 फरवरी – रायपुर (छत्तीसगढ), मार्गदर्शन – श्री निरंजन जुवां जैन,अहमदाबाद
12. 11 फरवरी – कोसी (उत्तरप्रदेश), मार्गदर्शन – श्री मनीष जैन,आगरा
13. 18 फरवरी – यवतमाल (महाराष्ट्र), मार्गदर्शन – श्री समीप इन्दाने,अकोला
14. 24 फरवरी –सिकंदराबाद (तेलंगाना), मार्गदर्शन – श्री निरंजन जुवां जैन,अहमदाबाद
15. 24 फरवरी – रामकोट (तेलंगाना), मार्गदर्शन – श्री निरंजन जुवां जैन,अहमदाबाद
16. 24 फरवरी – कृष्णा नगर-सिकंदराबाद, मार्गदर्शन – श्री निरंजन जुवां जैन,अहमदाबाद
17. 25 फरवरी – रामकोट- हैदराबाद, मार्गदर्शन – श्री निरंजन जुवां जैन,अहमदाबाद
18. 25 फरवरी – फीलखाना-हैदराबाद (तेलंगाना), मार्गदर्शन – श्री निरंजन जुवां जैन,अहमदाबाद
19. अल्पसंख्यक जाति प्रमाण-पत्र अभियान – सितम्बर 2017 से फरवरी 2018 तक – बीजेएस + कर्नाटक अधिकारियों का संयुक्त अभियान – लाभान्वित – 1400







अल्पसंख्यक अधिकार एवं लाभ अभियान – नवतर प्रयोग से नव-आयामों की ओर

बीजेएस 'अल्पसंख्यक लाभ जन जागृति अभियान' के राष्ट्रीय संयोजक श्री निरंजन जुंवा जैन ने हैदराबाद में 24 फरवरी, 2018 को एक विशिष्ट सेमिनार में जैन समुदाय के 40 से अधिक चार्टर्ड एकाउंटेंट व वकीलों को संबोधित किया. तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के सामाजिक उत्थान विकास हेतु संचालित शैक्षणिक, आर्थिक, धार्मिक आदि लाभों की योजनाओं का विवरण प्रस्तुत करते हुए सभासदों को सूचित किया कि तेलंगाना राज्य का जैन समुदाय आवश्यक जानकारी के अभाव में सुलभ लाभों से वंचित रह जाता है. श्री जुंवा ने विचारों के आदान प्रदान व गहन विचार विमर्श के पश्चात उपस्थित प्रबुद्ध वर्ग से प्रार्थना की कि वे समाज के मुख्य प्रवाह से जुड़ें क्योंकि यह जैन समाज व देश के हित में है तो हे ही साथ ही उनके व्यक्तिगत सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन हेतु भी आवश्यक है. उपस्थित सभासदों ने श्री निर्मल सिंघवी, बीजेएस के भूतपूर्व राज्य अध्यक्ष के नेतृत्व में समाज हेतु अल्पसंख्यक विषय पर कार्य करने का संकल्प लिया व कार्य समिति का गठन किया जो विभिन्न अल्पसंख्यक मुद्दों पर कार्ययोजनाओं का निर्माण कर क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगी.



धार्मिक अधिकारों व लाभों पर हैदराबाद में आयोजित हुआ विशिष्ट सेमिनार

25 फरवरी, 2018 को हैदराबाद के गुरुगणेश भवन, रामकोट में बीजेएस हैदराबाद व वर्धमान जैन श्वे.मूर्तिपूजक संघ के संयुक्त आयोजन में अल्पसंख्यक अधिकारों व लाभों पर आयोजित सेमिनार में श्री निरंजन जुंवा जैन ने समुदाय की धार्मिक संस्थाओं के ट्रस्टीयों, पदाधिकारियों व समाज के वरिष्ठजन आदि को राज्य के जैन समुदाय की धार्मिक स्थितियों, आवश्यकताओं के संदर्भ में धार्मिक अधिकारों को खोजने व अधिकारों के उपभोग के तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विचार विमर्श किया. इस विषय पर जैन समुदाय को जागृत करने का यह नव-प्रयोग है जिसका उद्देश्य समाज के प्रबुद्ध वर्ग व धार्मिक संस्थाओं के ट्रस्टीयों आदि को अधिकारों एवं लाभों से परिचित करवाते हुए उनमें विषय के प्रति रूचि जागृत करना है.

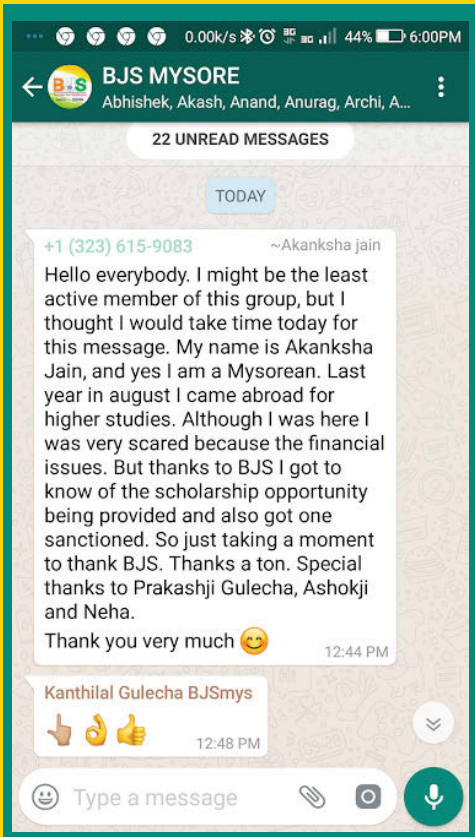

अल्पसंख्यक अधिकार एवं लाभ

बीजेएस द्वारा अल्पसंख्यक लाभ जन जागृति अभियान गत 4 वर्षों से अखिल भारत स्तर पर संचालित किया जा रहा है, जिसमें प्रशिक्षित किए गए प्रशिक्षकों के माध्यम से अधिकांश राज्यों के जैन समाज के परिवारों को अल्पसंख्यक अधिकारों व लाभों की जानकारी देकर लाभार्थी को लाभ प्राप्त करने में आवश्यक मार्गदर्शन व सहयोग दिया जाता है. मेसूर (कर्नाटक) से सुश्री आकांक्षा जैन से प्राप्त whatsap पोस्ट को प्रकाशित कर रहे हैं, जिसमें भारतीय जैन संघटना द्वारा इस विषय मे दी जा रही व्यावहारिक सेवाओं एवं सहयोग के प्रति उद्गार व्यक्त किए गए हैं. मेसूर के बीजेएस पदाधिकारी श्री प्रकाश गोलेछा एवं अल्पसंख्यक प्रशिक्षक श्री अशोक श्रीश्रीमाल एवं सुश्री नेहा का बीजेएस परिवार अभिनंदन करता है.

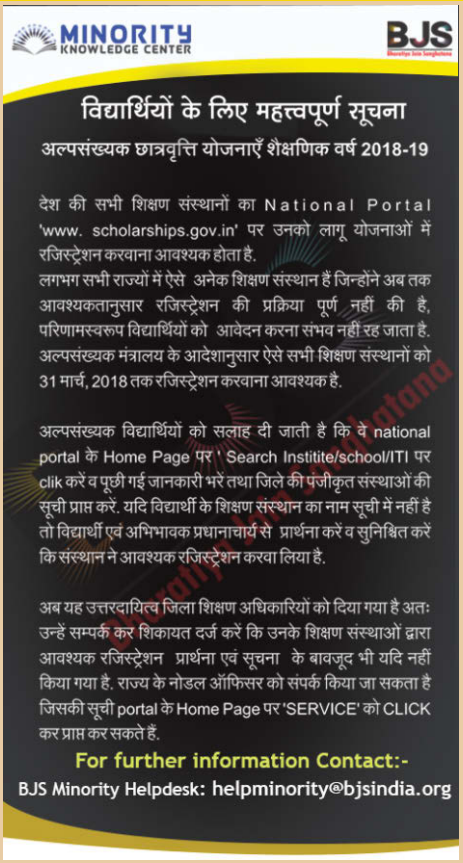

भारतीय जैन संघटना का आगामी पुनर्विवाह परिचय सम्मेलन

सिकंदराबाद (तेलांगना) दिनांक 29 अप्रैल, 2018, रविवार

पंजीयन की अंतिम तिथि :15 अप्रैल, 2018 पंजीयन हेतु संपर्क : **94406 68868**

ऑनलाईन पंजीयन: **http://bjsmm.bjsapps.com**

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Published on 07.03.2018
Posted at Market Yard PSO, Pune On-10.03.2018

If undelivered Please Return To
BJS Bharatiya Jain Sanghatana
Level IV, Muttha Towers, Loop Road, Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – 411006 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 41200600